कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर,कोरिया (छ०ग०)

दिनांक– 18/10/02019

–: सूचना :–

महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातकोत्तर सेमेस्टर के नियमित समस्त छात्र/ छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30 अक्टूबर 2019, प्रातः 11 बजे कक्ष क्र0 07 में शोध एवं शोध प्रक्रिया के प्रमुख चरण (Research & Steps of Research Process) विषय से संबंधित सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी छात्र/ छात्राएं एवं प्राध्यापकगण अनिवार्यतः उपस्थित रहे।

संयोजक
Dr. G.K. Mishra
Asst. Professor & Head
Dept. of Pol. Sc, Govt. R. P. S. D.
PG College, Baikunthpur, Korea (C.G.)

प्राचार्य
प्राचार्य
शा०रामानुज प्रताप सिंह देव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बैकुण्ठपुर,कोरिया(छ.ग.)

//संगोष्ठी प्रतिवेदन//

आज दिनांक 30 अक्टूबर 2019, दिन– बुधवार को प्रातः 11 बजे कक्ष क0 07 में महाविद्यालय में अध्ययनरत स्नातकोत्तर सेमेस्टर के नियमित छात्र/छात्राओं एवं प्राध्यापकों/ अतिथि व्याख्याओं हेतु **शोध एवं शोध के प्रमुख चरण (Research & Steps of Research Process)**विषय पर अन्तरविषयक संगोठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वकता **डॉ0 जे0आर0 कंवर,** विभाग्याध्यक्ष, **समाजशास्त्र विभाग, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय थे। डॉ0 कंवर ने केन्द्रीय** विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि शोध किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत गवेषणा करना होता है। शोध में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुए जिज्ञासा का समाधान करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने आगे बताया कि प्रकृति वैज्ञानिक है क्योंकि इसमें वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग किया जाता है। शोध का मुख्य लक्ष्य वैज्ञानिक निष्कर्षों की प्राप्ति, सामन्यीकरण तथा नियमों का प्रतिपादन करना। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु वैज्ञानिक पद्धति या वैज्ञानिक कार्य विधि का सहारा लेना आवश्यक होता है। इस पद्धति या कार्य विधि के कई चरण हैं जिनमें शीधकर्ता को गुजरना पड़ता है। सत्य तक पहुचने के लिए और कोई लघु मार्ग नहीं है। इसके विभिन्न चरणों का चर्चा कई विद्वानों ने किया है। जैसे7 अगस्त का रहे श्रीमती पी0बी0 संग, जार्ज ए0 लुण्डवर्ग आदि ने किया है।

सामाजिक शोध की प्रकिया को अधिक उत्मता के साथ समझने की दृष्टि से उन्होनें बताया कि शोध एवं इसकी प्रकिया को समयक रूप से समझने के लिए निम्नलिखित चरणों को जानना आवश्कय है। उन्होनें बताया कि शोध के निम्नलिखित चरण होते हैं :–

1. समस्या (विषय) का चुनाव
2. संबंधित साहित्य का अध्ययन
3. इकाइयों का निर्धारण
4. प्राक्कलना का निर्माण
5. अध्ययन क्षेत्र का निधारण
6. सूचना दाताओं का युगल
7. सूचना के स्त्रोंतों एवं अध्ययन के उपकरणों व प्रविधियां का निर्धारण
8. उपकरणों एवं प्रविधियों का पूर्ण परीक्षण
9. सामान्यीकरण एवं नियमें का प्रतिपादन

इस प्रकार डॉ0 कंवर ने केन्द्रीय विषय से सम्बंधित सभी पहलुओं को विस्तार से बताते हुए अपने उद्बोधन को समाप्त किया। अंत में संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 गौरव कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक राजनीति शास्त्र मुख्य वक्ता सहित सेमिनार में सामिल सभी प्राध्यापकों/अतिथि व्याखताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इसे सभी के लिए उपयोगी बताया और संगोष्ठी के समापन की घोषणा की।

संयोजक

Dr. G.K. Mishra
Asst. Professor & Head
Dept. of Pol. Sc, Govt. R. P. S. P.G College, Baikunthpur, Korea (C.G.)

प्राचार्य

प्राचार्य
शा०रामानुज प्रताप सिंह देव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बैकुण्ठपुर,कोरिया(छ.ग.)